UP HINDI -STD 7
TEACHER TEXT DRAFT

SCERT KERALA

इकाई रूपरेखा

इकाई का नाम : प्यार

पाठ का नाम / प्रोक्ति	अधिगम उद्देश्य	मूल्य और मनोभाव	अधिगम गतिविधियाँ	आकलन	समय
खुद से प्यार (कविता)	• निर्देश सुन-समझकर अभिनय करने की क्षमता बढ़ाना। • चित्रवाचन करके आशय ग्रहण करने की अवधारणा बढ़ाना। • कविता पढ़कर आशय ग्रहण करने की धारणा प्राप्त करना। • ताल-लय के साथ कविता का आलाप करने की क्षमता बढ़ाना। • कविता का दृश्याभास करने की क्षमता बढ़ाना। • कविता का आशय लिखने की अवधारणा प्राप्त कराना।	खुद से प्यार करने के साथ-साथ हमें दुनिया से भी प्यार करना है। प्रकृति का संरक्षण हमारा भी कर्तव्य है।	• भाषाई खेल • चित्रवाचन • कविता का वाचन एवं तालयुक्त आलाप • कविता का दृश्याभास • कविता का आशय लेखन	**भाषाई खेल** – अध्यापक का आकलन- निर्देश सुन-समझकर अभिनय किया है। **चित्रवाचन** – अध्यापक का आकलन- चित्रवाचन करके हिंदी में प्रतिक्रिया दी है। **कविता का वाचन एवं आलाप** स्व आकलन, आपसी आकलन,अध्यापक का आकलन- कविता का आशय समझकर हाव-भाव, उतार-चढ़ाव एवं उचित ताल के साथ आलाप किया है। **कविता का दृश्याभास** स्व आकलन, आपसी आकलन,अध्यापक का आकलन- निर्धारित जगह का इस्तेमाल करके दृश्यों की विविधता के साथ संयोजन करके सक्रिय भागीदारी की है। **कविता का आशय लेखन** स्व आकलन, आपसी आकलन, अध्यापक का आकलन। कवि और कविता का परिचय देते हुए कविता का आशय समग्र रूप से लिखा है।	9 कालांश

इकाई रूपरेखा

इकाई का नाम : प्यार

पाठ का नाम / प्रोक्ति	अधिगम उद्देश्य	मूल्य और मनोभाव	अधिगम गतिविधियाँ	आकलन	समय
साफ़ सफाई में अव्वल गाँव / लेख	• लेख का आशय समझकर वाचन और विश्लेषण करने की क्षमता बढ़ाना। • संदेश देनेवाले पोस्टर तैयार करने की क्षमता बढ़ाना। • सूचनापट तैयार करने की क्षमता अर्जित कराना। • पुनर्चक्रण के नमूनों की सूची तैयार करने की अवधारणा प्राप्त कराना। • आशयानुकूल नारागीत तैयार करने की क्षमता अर्जित कराना।	वैयक्तिक एवं सामाजिक स्वच्छता का पालन करना एक सच्चे नागरिक का दायित्व है। इससे कई लाभ होते हैं।	लेख का वाचन और विश्लेषण पोस्टर तैयार करना सूचनापट तैयार करना पुनर्चक्रण के परिचित नमूनों की सूची तैयार करना नमूने के अनुसार नारागीत तैयार करना	**लेख का वाचन और विश्लेषण :** अध्यापक का आकलन, दल में आकलन- लेख का आशय समझकर स्वराघात, बलाघात, उतार-चढ़ाव के साथ हाव-भाव सहित वाचन किया है। **पोस्टर तैयार करना** स्व आकलन, आपसी आकलन, अध्यापक का आकलन- आशायानुकूल,संक्षिप्त एवं प्रभावशाली संदेश वाक्य जोड़कर आकर्षक रूप से पोस्टर तैयार किया है। **सूचनापट तैयार करना** स्व आकलन, आपसी आकलन, अध्यापक का आकलन- आशयानुकूल सूचनाएँ देते हुए सूचनापट तैयार किया है। **पुनर्चक्रण के नमूनों की सूची तैयार करना** आपसी आकलन, अध्यापक का आकलन- आशयानुकूल पुनर्चक्रण की सूची तैयार की है। **नारागीत तैयार करना** स्व आकलन, आपसी आकलन, अध्यापक का आकलन- आशायानुकूल,संक्षिप्त एवं प्रभावशाली पंक्तियाँ जोड़कर तालयुक्त नारागीत तैयार किया है।	9 कालांश

इकाई – एक

प्यार

सातवीं कक्षा की पहली इकाई है 'प्यार'। इसमें दो पाठ हैं – पहला पाठ'खुद से प्यार' नामक कविता और दूसरा पाठ 'साफ़ सफ़ाई में अव्वल गाँव' नामक लेख। कविता प्रकृति से सीखने का बोध दिलाती है तो लेख प्रकृति के संरक्षण का बोध दिलाता है।

शोभानाथ यादव जी अपनी कविता 'खुद से प्यार' के माध्यम से बताते हैं कि अपने में सब कुछ हैं। हमें अपने मन से नकारात्मक विचारों को छोड़ना चाहिए और खुद से प्यार करना चाहिए। ऐसा करें तो दुनिया हमें प्यार करेगी। कवि मनुष्य की तुलना प्रकृति से करते हैं। अपनी प्यारी चीज़ें प्रकृति दूसरों को देती है और संपुष्ट बनाती है। प्रकृति हमें (मनुष्य को) प्यार का सबक सिखाती है । छात्रों में यही मनोभाव उत्पन्न करने में यह कविता सक्षम है।

मेघालय का मावलिन्नोंग गाँव एशिया के सबसे साफ़-सुथरे गाँव के रूप में मशहूर है। हमें अपने गाँव और आसपास के इलाकों को मावलिन्नोंग गाँव जैसा साफ़ सुथरा बनाना चाहिए। छात्रों में यही मनोभाव उत्पन्न करना इस दूसरे पाठ का उद्देश्य है।

पाठ का नाम:खुद से प्यार

अधिगम उद्धेश्य

- निर्देश सुन-समझकर अभिनय करने की क्षमता बढ़ाना।
- चित्रवाचन करके आशय ग्रहण करने की अवधारणा बढ़ाना।
- कविता पढ़कर आशय ग्रहण करने की धारणा प्राप्त करना।
- ताल-लय के साथ कविता का आलाप करने की क्षमता बढ़ाना।
- कविता का दृश्याभास करने की क्षमता बढ़ाना।
- कविता का आशय लिखने की अवधारणा प्राप्त कराना।

आशय व धारणा

प्रकृति के सब जीव एक समान है। सभी को प्यार की ज़रूरत है

मूल्य और मनोभाव

खुद से प्यार करने के साथ-साथ हमें दुनिया से भी प्यार करना है।

प्रकृति का संरक्षण हमारा भी कर्तव्य है।

सामग्री

- ए 4 शीट,मार्कर,कैंची,गोंद,क्रयोण,रंगीन कलमें,चार्ट

समय - 9 कालांश

मोड्यूल 1

अनौपचारिक संवाद :

आप पूछें :

- प्यारे बच्चो,कैसे हैं ?
- छुट्टियों के दिन कैसे थे ?
- कहाँ-कहाँ गए ?
- क्या-क्या देखे?
- क्या-क्या किए?
- अब आप किस कक्षा के छात्र हैं ?
- क्या हम एक खेल खेलें ?
- बाहर जाकर खेलें?

आप कहें:

गोल दायरे में खड़े हो जाएँ।

आपस में टकराए बिना खड़े रहें।

आपको निर्देशानुसार गोल दायरे के उस पार चलकर पहुँचना है।

(आप,गोल के बीच में खड़े होकर निर्देश ज़ारी रखें।)

मान लें,अब हम जंगल जा रहे हैं।

DRAFT

रास्ते में खेत हैं।

भारी वर्षा होने की संभावना है।

तूफ़ान आ जाएगा।

कड़ी सर्दी सहनी पड़ेगी।

आपको भारी वर्षा, तूफ़ान, कड़ी सर्दी जैसे विभिन्न वातावरणों में पड़े रहने का अभिनय करना होगा।

आपको गेल में सीधे खड़े होनेवाले छात्र की जगह तक अभिनय के साथ आपस में टकराए बिना चलकर पहुँचना है।

सीटी बजाएँ।

खेल शुरू करें।

बीच-बीच में आप निर्देश देते रहें।

आप कहें: अब हम खेत में पहुँचे।

खेत में कीचड़ है।

कीचड़ में हम कैसे चलें?

अभिनय करके चलने का निर्देश दें। एक मिनिट के बाद कहें-

अब वर्षा हो रही है।

कीचड़ में वर्षा के साथ हम कैसे चलें। 30 सेकेंट के बाद-

अब हम जंगल पहुँचे।

कड़ी सर्दी है।

आवाज़ के साथ सर्दी में चलें।

थोड़े समय बाद...

तूफ़ान आ गया...

हम कैसे चलें?

लक्ष्य स्थान में पहुँचने केलिए एक पहाड़ पार करना है।

पहाड़ पर कैसे चढें?

गोल के बीच पहुँचते ही कहें:

हम पहाड़ के सबसे ऊपर पहुँच गए।

अब क्या-क्या दृश्य देख सकते हैं ?

(संभावित प्रतिक्रिया - पहाड़,खेत,कीचड़,जंगल,पेड़-पौधे...)

अभी पहाड़ से नीचे उतरना है।

कैसे उतरें?

चलते-चलते सीधे हमें अपने घर पहुँचना हैं।

आप पूछें:

- खेल कैसे लगा?

आप कहें:

मान लें,अब हम अपने घर के सामने पहुँचे।

DRAFT

आप कागज़ दें और निर्देश दें,

- घर का चित्र खींचें।
- रंग दें।
- घर के सामने एक पेड़ का चित्र भी खींचें।
- पेड़ पर क्या-क्या होते हैं, उन्हें भी खींचें।
- चित्र के साथ अपना नाम, अपनी कक्षा एवं स्कूल का नाम भी लिखें।

प्रतिक्रिया के लिए पर्याप्त समय दें।

चित्र-प्रदर्शनी चलाएँ।

आप आकलन करें

:- जिनको निर्देश सुन- समझकर अभिनय करने की क्षमता है।

-जिन्होंने अपना नाम, अपनी कक्षा और स्कूल का नाम बिना किसी की सहायता के सही लिखे हैं।

चित्र प्रदर्शनी चलाएँ।

पृष्ठ संख्या सात लेने का निर्देश दें।

चित्र देखने का अवसर दें।

चित्र-वाचन के लिए प्रश्न पूछें।

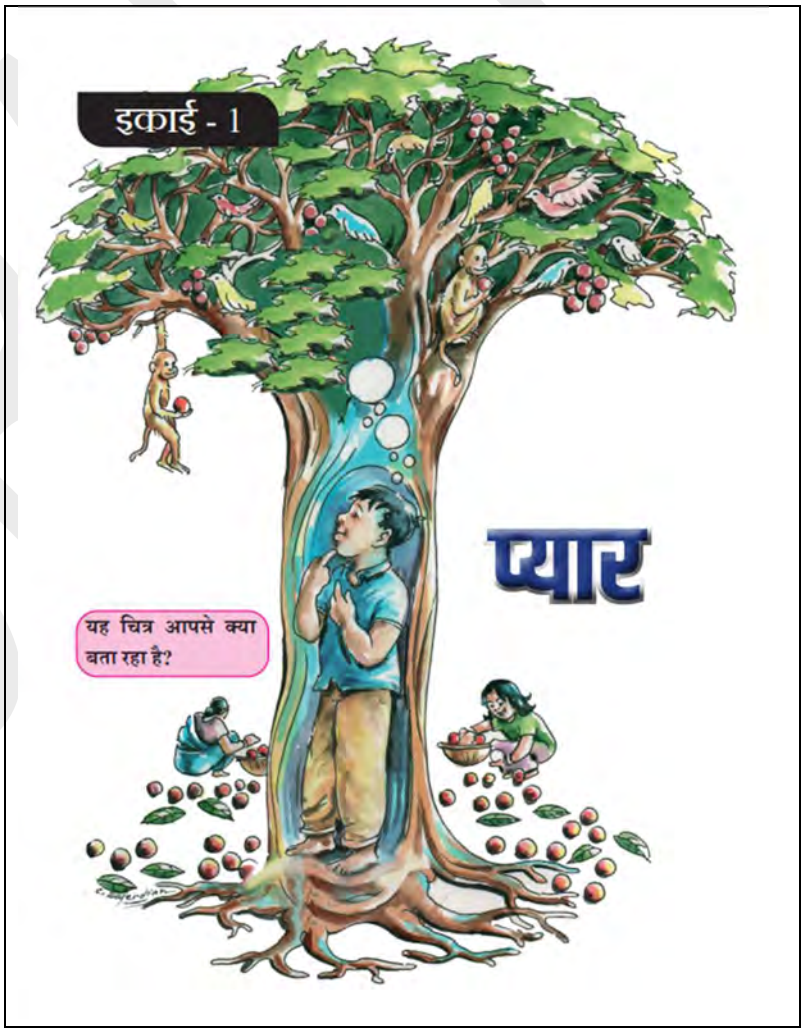

आप पूछें:

- चित्र में क्या-क्या हैं ?
- चित्र में कौन कौन हैं ?

प्रतिक्रिया का अवसर दें।

बोर्ड पर आप सूचीबद्ध करें।

आप पूछे:

- चिड़िया क्या कर रही है ?
- लड़की क्या कर रही है ?
- टोकरी में क्या है ?
- औरत क्या कर रही है ?
- बंदर क्या कर रहे हैं?
- ये सब पेड़ के पास क्यों आये हैं ?
- लड़का क्या कर रहा है ?

प्रतिक्रिया का अवसर दें।

आप पूछें:

- लड़का क्या सोचता होगा?

प्रतिक्रिया का अवसर दें।

आप पूछें:

- **यह चित्र आपसे क्या बता रहा है ?**

प्रतिक्रिया का अवसर दें।

आप संक्षिप्तीकरण करें -

संक्षिप्तीकरण :-**पेड़ सब जीवों का आसरा है। पेड़-पौधों का संरक्षण हमारा दायित्व है।**

पृष्ठ संख्या आठ लेने का निर्देश दें।

आप पूछें:

चित्र में क्या-क्या हैं ?

प्रतिक्रिया का अवसर दें।

बोर्ड पर सूचीबद्ध करें।

सूरज,बादल,पेड़,फूल,पत्ता,बूँद,रश्मि,डाली,लड़की ...

नोटबुक पर लिखने का निर्देश दें।

दल बनाने की निमनलिखित प्रक्रिया चलाएँ :

छात्रों को एक-एक ए4 शीट / चार्ट दें।

जिसमें **सूरज,बादल,पेड़,फूल,पत्ता,बूँद, रश्मि,डाली** शब्द लिखे हों।

(प्रत्येक शब्द अलग-अलग रंगों में)

ए4 शीट का शब्द नोटबुक में पहचानकर गोला खींचें।

आप ए4 शीट से एक टोपी बनाएँ।

आप पूछें:टोपी कैसे बनाएँ?

आप ए4 शीट से टोपी बनाकर दिखाएँ और छात्रों को टोपी बनाने का निर्देश दें।

कहें: ए4 शीट में से दो हिस्से काटें (चित्र 1)

दोनों स्ट्रिपों के कोनों को चिपकाएँ।(चित्र 2)

लंबे स्ट्रिप को गोलाकार में चिपकाएँ।(चित्र 3)

गोलाकार में एक भाग पेंसिल से खींचें।(चित्र 4)

बाकी ए4 शीट को चित्र5,6 के समान काटें।

दोनों भागों को गोंद की सहयता से चिपकाएँ।

(चित्र 7,8,9)

अब हमारी टोपी बन गई।

पहले ए4 में मिले शब्द को टोपी में लिखें।

अपना नाम भी लिखें। टोपी को रंग दें।

टोपी पहनें।

समान शब्दवाली टोपी पहने साथियों को ढूँढें।

दल में बैठें।

टोपी में जो शब्द लिखा हो वही दल का नाम है।

एक चार्ट एवं मार्कर हर एक दल को दें।

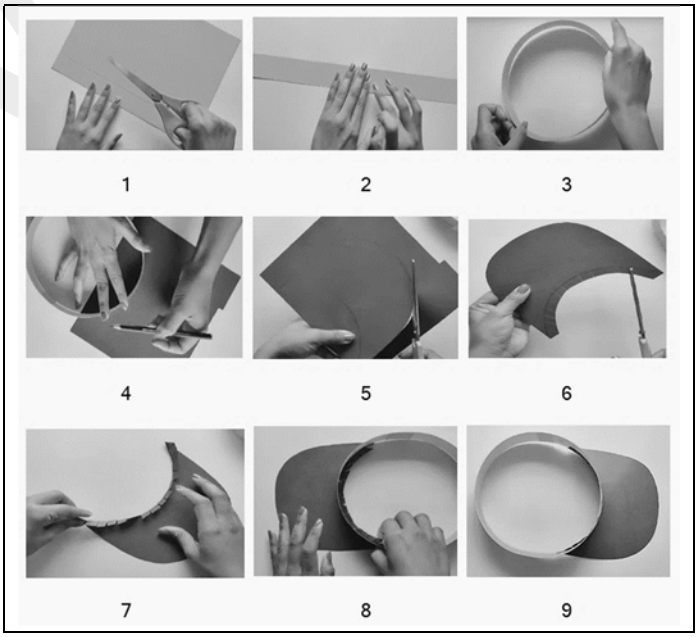

DRAFT

दल के सदस्यों के नाम एवं दल का नाम चार्ट पर लिखें।

दल केलिए एक नेता को चुनें।

नेता को हम मेंटर (Mentor) कहेंगे।

चार्ट में चित्र एवं रंग देकर सुंदर बनाकर कक्षा में चिपकाएँ।

अनौपचारिक संवाद-

टोपी का निर्माण कैसे लगा ?

आप टोपी खुद बनाने में सक्षम हैं क्या ?

'खुद' यानि 'स्वयं'

पृष्ठ संख्या आठ लें।

आप पूछें:

- चित्र में लड़की क्या सोच रही होगी ?

प्रतिक्रिया का अवसर दें,

लड़की की सोच जानने केलिए कविता पढें।

कविता का नाम क्या है ?

प्रतिक्रिया का अवसर दें।

कविता का नाम बोर्ड पर लिखें।

कुछ छात्रों को पढ़ने का मौका दें।

आप भी ज़ोर से पढ़ें।

आप कहें,

अब हम कविता पढ़ें।

वाचन की प्रक्रिया चलाएँ।

आकलन भी करें।

वैयक्तिक वाचन के लिए पर्याप्त समय दें।

दल में बैठने का निर्देश दें।

चार्ट की सहायता से अपरिचित शब्द का अर्थ समझाएँ।

अर्थ एवं आशय की लेन-देन का निर्देश दें।

आशय-ग्रहण केलिए प्रश्न करें।

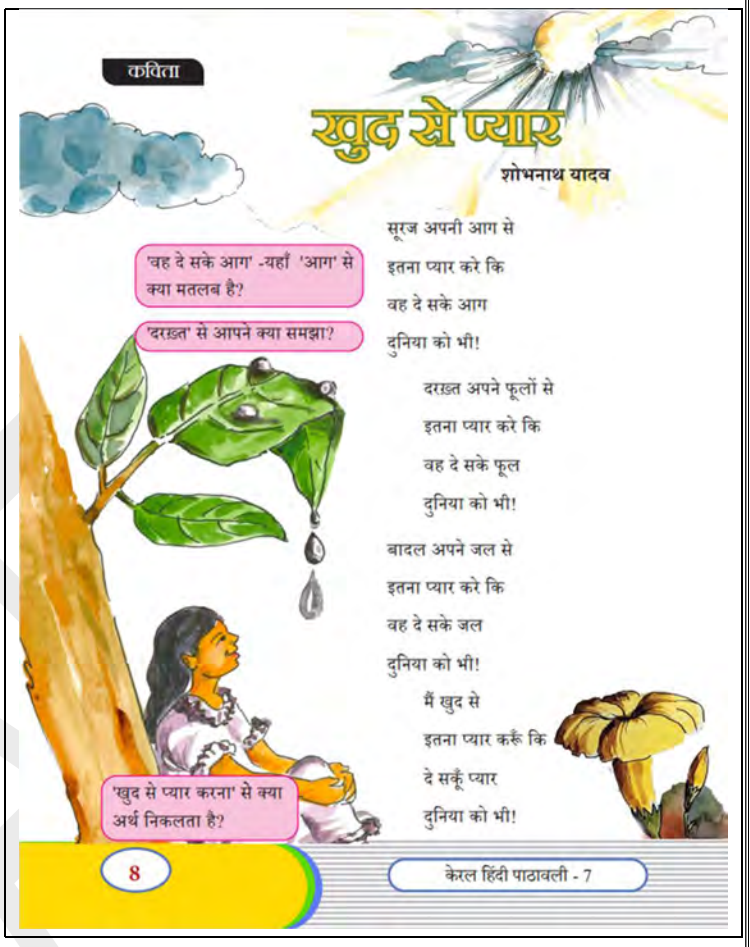

खुद- स्वयं
दरख़्त -पेड़
दुनिया-विश्व

पूछें,

- सूरज की विशेषताएँ क्या-क्या हैं?
- यहाँ सूरज के ताप को किस शब्द से विशेषित किया गया है?
- यहाँ सूरज किससे प्यार करता है?
- सूरज दुनिया को क्या देता है?
- आग की विशेषताएँ क्या-क्या हैं?
- सूरज की आग या उसके प्रकाश से दुनिया को क्या लाभ है ?
- 'दुनिया को प्रकाश देने' का अर्थ क्या होगा?

- **"वह दे सके आग"- 'आग' का क्या मतलब है ?**

प्रतिक्रिया का अवसर दें।

आप संक्षिप्तीकरण करें

संक्षिप्तीकरण-

सूरज की आग उसकी ऊर्जा है। सूरज स्वयं अपनी ऊर्जा दुनिया को प्रदान करता है।

आप पूछें,

- पेड़ के लिए कविता में प्रयुक्त शब्द कौन-सा है ?
- दरख़्त किससे प्यार करता है ?
- दरख़्त दुनिया को क्या-क्या दे सकता है?
- **दरख़्त से आपने क्या समझा ?**

प्रतिक्रिया का अवसर दें।

आप पूछें,

- सूरज और पेड़ दुनिया को अपनी संपत्ति क्यों देते हैं?
- इससे हमें क्या संदेश मिलता है?

प्रतिक्रिया का अवसर दें।

आप संक्षिप्तीकरण करें,

संक्षिप्तीकरण

पेड़ अपने फूलों से प्यार करता है। वह दुनिया को भी फूल प्रदान करता है। सूरज और पेड़ जिस प्रकार दुनिया को अपनी संपत्ति देते हैं, उसी प्रकार मनुष्य भी दूसरों की मदद करें।

आप पूछें,

- कौन अपने जल से प्यार करता है ?
- बादल अपना जल किसको देता है ?
- बादल अपने जल से क्यों प्यार करता है?

छात्रों को प्रतिक्रिया का अवसर दें।

आप संक्षिप्तीकरण करें,

संक्षिप्तीकरण

बादल अपने जल से प्रकृति या दुनिया की प्यास बुझाता है।

बादल अपनी बारिश के माध्यम से पृथ्वी को सजाता है और पानी से प्रकृति को शीतलता देता है।

आप पूछें,

- लड़की क्या करना चाहती है?
- लड़की दुनिया को क्या देना चाहती है?
- दुनिया को प्यार देने के लिए हमें क्या करना चाहिए?
- **'खुद से प्यार' करना से क्या अर्थ निकलता है?**

DRAFT

प्रतिक्रिया का अवसर दें।

आप संक्षिप्तीकरण करें।

खुद से प्यार करना एक गहरा और महत्वपूर्ण अनुभव है। आत्मविश्वास के साथ दुनिया को संभालना है। अपनी चीज़ें दूसरों की भलाई केलिए देकर आत्म सम्मान बढ़ाना है।

आप कहें,

चुनिंदे छात्रों को कविता का वाचन करने का अवसर दें।

दल में कविता को ताल दें।

तैयारी केलिए पर्याप्त समय दें।

अब हम ताल-लय के साथ कविता का आलाप करें।

प्रस्तुति का अवसर दें।

कराओके के साथ कविता गाने का मौका दें।

आयोजन केलिए पर्याप्त समय दें।

दलों को प्रस्तुति का मौक़ा दें।

आप आकलन करें-

कविता का स्वयं वाचन करनेवाला।	
दूसरों की सहायता से कविता का वाचन करनेवाला।	
कविता के आलापन में भाग लेनेवाला।	
अनोखा ताल प्रस्तुत करनेवाला।	
समर्थ रूप में दल को चलानेवाला।	

अनुबद्धकार्य :- सूरज,बादल,पेड़,फ़ूल,पत्ता,बूँद, रश्मि,डाली आदि के चित्र खींचें और टोपी पर चिपकाएँ। टोपी पहनकर कविता का दृश्याभास करें।

अनौपचारिक संवाद

कविता कैसे लगी ?

प्रतिक्रिया का अवसर दें।

आप पूछें:

- कविता में कवि प्रकृति की किन-किन चीज़ों के बारे में कहते हैं ?

प्रतिक्रिया का अवसर दें।

आप बोर्ड पर सूचीबद्ध करें। संक्षेप में लिखें।

सूरज की आग पेड़ का फूल बादल का पानी

आप कहें:

पृष्ठ संख्या नौ देखें।

जोड़ें और वाक्य लिखें। प्रक्रिया चलाएँ।

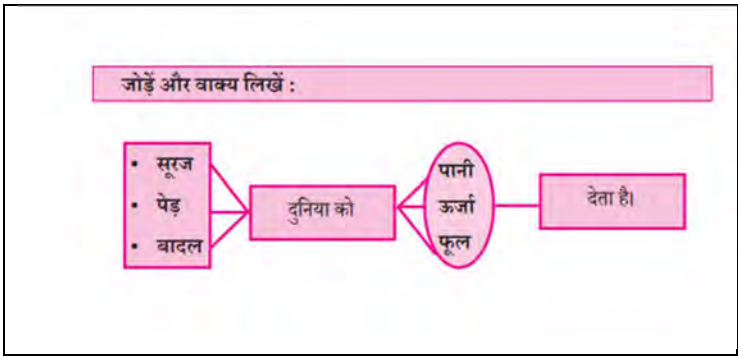

आप पूछें:

- पहले खंभे में क्या-क्या है ?
- सूरज का संबंध किससे है ?
- पेड़ का संबंध किससे है ?
- बादल का संबंध किससे है?

छात्रों को प्रतिक्रिया का अवसर दें।

आप कहें: अब हमें खंभे के शब्दों से सही

आशयवाले वाक्य लिखें।

प्रतिक्रिया का अवसर दें।

वैयक्तिक प्रस्तुति का अवसर दें।

दलों में परिमार्जन करें।

आप संक्षिप्तीकरण करें और बोर्ड पर लिखें,

सूरज दुनिया को ऊर्जा देता है।

पेड़ दुनिया को फूल देता है।

बादल दुनिया को पानी देता है।

पृष्ठ संख्या नौ की "**पहचानें और लिखें**"

प्रक्रिया चलाएँ।

पहचानें और लिखें।

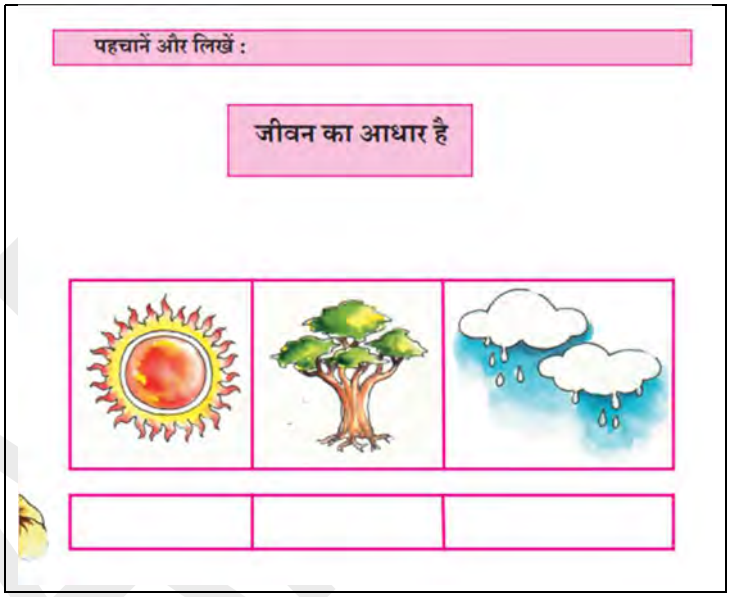

आप पूछें:

- चित्र में क्या-क्या हैं ?
- जीवन के आधार क्या-क्या हैं ?

प्रतिक्रिया का अवसर दें।

आप बोर्ड पर सूचीबद्ध करें,

- सूरज
- पेड़
- पानी

पाठ्यपुस्तक में लिखने का मौका दें।

आप कहें:

पृष्ठ संख्या दस देखें।

आशय पढ़ें और पंक्तियाँ ढूँढें: प्रक्रिया चलाएँ।

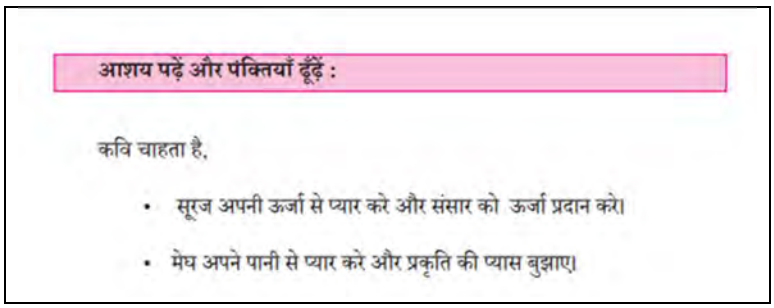

आप कहें,

कविता का वैयक्तिक वाचन करें।

दो–तीन छात्रों से सस्वर वाचन करवाएँ।

आप पूछें:

"सूरज अपनी ऊर्जा से प्यार करे और संसार को ऊर्जा प्रदान करे"-यह आशय मिलनेवाली पंक्तियाँ कौन- कौन सी हैं ?

छात्रों को प्रतिक्रिया करने का मौक़ा दें।

नोटबुक में लिखने का निर्देश भी दें।

आप पूछें:

"मेघ अपने पानी से प्यार करे और प्रकृति की प्यास बुझाए"-

यह आशय मिलनेवाली पंक्तियाँ कौन-कौन सी है?

प्रतिक्रिया का अवसर दें।

नोटबुक में लिखने का निर्देश भी दें।

आप पद सूर्य बोर्ड पर खींचें।

पूछें:

ये हमें क्या-क्या देते हैं?

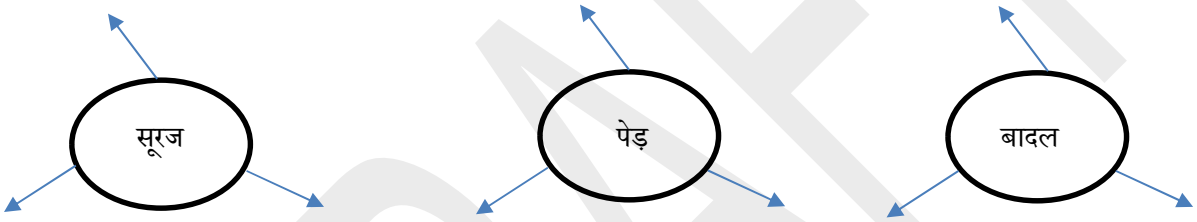

पदसूर्य की पूर्ति करने का मौका दें।

आप कहते हुए ये वाक्य लिखें,

सूरज हमें ताप देता है।	पेड़ फूल देता है।	बादल पानी देता है।
सूरज हमें प्रकाश देता है।	पेड़ लकड़ी देता है।	बादल वर्षा देता है।
सूरज हमें ऊर्जा देता है।	पेड़ फल देता है।	बादल शीतलता देता है।

पृष्ठ संख्या दस की **'ये दुनिया को कैसे प्यार करेंगो ?' पंक्ति पर** अपने विचार लिखें। - प्रक्रिया चलाएँ।

पूछें

- **आप इस दुनिया से कैसे प्यार करेंगे?**
- प्रतिक्रिया का अवसर दें।

लिखने का निर्देश दें।

आप कहें: पृष्ठ संख्या ग्यारह देखें।

पूछें:

- कविता का नाम क्या है?
- कविता किसने लिखी?
- कविता का विषय क्या है?

DRAFT

- कविता से कवि क्या संदेश देना चाहता है?

प्रतिक्रिया का अवसर दें।

बोर्ड पर आप सूचीबद्ध करें।

आप कहें:

'खुद से प्यार' कविता में कवि शोभानाथ यादव कहते हैं कि सूरज अपनी ऊर्जा, पेड़ अपने फूल और मेघ अपना जल देकर दुनिया में जीवन के आधार बनते हैं। इसप्रकार हम भी खुद से प्यार करें और अपनी चीज़ें दूसरों को प्रदान करें। प्रकृति से प्यार का सबक सीखें और दूसरों की भलाई के लिए जिएँ।

आप कहें:

कविता का आशय वैयक्तिक रूप में लिखें।

दो-तीन छात्रों को प्रस्तुतीकरण का मौक़ा दें।

दलों में प्रस्तुति एवं परिमार्जन करने का अवसर दें।

दलों के प्रस्तुतीकरण केलिए पर्याप्त समय दें।

आप बोर्ड पर ये संकेत लिखें,

- शीर्षक का उल्लेख किया है।
- कवि का परिचय दिया है।
- कविता का आशय लिखा है।
- अपना विचार लिखा है।

संकेतों के आधार पर आशय का आकलन करने का निर्देश दें।

टीचर वेर्शन दें।

टीचर वेर्शन

प्यार

'खुद से प्यार' कविता शोभानाथ यादवजी ने लिखी है। कविता का मुख्य आशय प्यार है। कवि चाहता है कि सूरज अपनी ऊर्जा, पेड़ अपना फूल और बादल अपना पानी प्रदान करके दुनिया में जीवन के आधार बनते हैं। हमें भी खुद से प्यार करना है और अपना प्यार दूसरों को देना है। इस प्रकार हमें दूसरों की मदद करनी है । पंक्तियों के विशेष भाषा प्रयोगों से कविता की शोभा बढ़ती है, जैसे-'इतना प्यार करे कि', 'दे सकूँ प्यार दुनिया को भी' आदि। हम प्रकृति से प्यार का सबक सीखें और दूसरों की भलाई के लिए जिएँ।

संशोधन करने का अवसर दें।

कविता का आशय पढ़ने का अवसर दें।

इसके आधार पर चित्र खींचने का निर्देश दें।

चित्र को उचित रंग दें।

DRAFT

इकाई एक

प्यार

पाठ का नाम : साफ़-सफ़ाई में अव्वल गाँव

अधिगम उद्देश्य

- लेख का आशय समझकर वाचन और विश्लेषण करने की क्षमता बढ़ाना।
- संदेश देनेवाले पोस्टर तैयार करने की क्षमता बढ़ाना।
- सूचनापट तैयार करने की क्षमता अर्जित कराना।
- पुनर्चक्रण के नमूनों की सूची तैयार करने की अवधारणा प्राप्त कराना।
- आशयानुकूल नारागीत तैयार करने की क्षमता अर्जित कराना।

आशय व धारणा

पर्यावरण की साफ़-सफ़ाई हमारा दायित्व है।

पर्यावरण की सुरक्षा और संरक्षण के कार्यों में तत्परता से भाग लेना है।

मूल्य और मनोभाव

वैयक्तिक एवं सामाजिक स्वच्छता का पालन करना एक सच्चे नागरिक का दायित्व है। इससे कई लाभ होते हैं।

सामग्री

- मावलिन्नोंग वीड़िओ (आख्यान के बिना)
- ए 4 शीट,मार्कर,कैंची,गोंद,क्रयोण,रंगीन कलमें,चार्ट
- बहुविकल्पीय प्रश्न
- मावलिन्नोंग पाठभाग का स्ट्रिप
- मावलिन्नोंग वीड़िओ (आख्यान के साथ)
- सूचना पट कोलाश

समय - 9 कालांश

मोड्यूल 1

कहें: अनौपचारिक संवाद-

चित्र खींचा क्या?

प्रतिक्रिया

अब हम एक वीड़िओ देखें।

मावलिन्नोंग से संबन्धित वीड़िओ(आख्यान के बिना) दिखाएँ।

पूछें,

वीड़िओ में क्या देखा?

यह किसका वीड़िओ है?

यह गाँव कैसा है?

आप इस गाँव के बारे में पढ़ें।

पृष्ठ संख्या बारह लेने का निर्देश दें।

वैयक्तिक रूप से वाचन के लिए 'साफ़-सफ़ाई में अव्वल गाँव' पाठभाग पढ़ने का निर्देश दें।

अपरिचित शब्दों केलिए पृष्ठ संख्या सोलह की मदद लेने का निर्देश दें।

वैयक्तिक वाचन का पर्याप्त समय दें।

बुनियादी दलों में बैठने का निर्देश दें।

आशय-ग्रहण को सुनिश्चित करने के लिए बहुविकल्पीय प्रश्न दलों को दें।

दलों में वाचन करने का मौका दें।

दलों में बहुविकल्पीय प्रश्नों (Multiple choice Questions) पर चर्चा करने का मौका दें।

बहुविकल्पीय प्रश्न

एशिया का सबसे साफ़-सुथरा गाँव मावलिन्नोंग कहाँ है?

- केरल
- जम्मु कश्मीर
- गुजरात
- मेघालय

मावलिन्नोंग गाँव कब एशिया के साफ़-सुथरे गाँव के तौर पर चुना गया?

- 2004
- 2024
- 2003
- 2023

मावलिन्नोंग की सबसे बड़ी खासियत है कि

- गाँव की सारी साफ़-सफ़ाई गाँववाली महिलाएँ करती हैं।
- गाँव की सारी साफ़-सफ़ाई गाँववाले खुद ही करते हैं।
- गाँव की सारी साफ़-सफ़ाई गाँव के बच्चे ही करते हैं।
- गाँव की सारी साफ़-सफ़ाई गाँववाले बूढ़े ही करते हैं।

मावलिन्नोंग में पूरी तरह से प्रतिबंधित चीज़ कौन-सी है?

- पेट्रोल
- रासायनिक खाद
- प्लास्टिक
- गैस

मावलिन्नोंग गाँव में डस्टबिन किससे बने हुए हैं?

- मिट्टी से
- सिमेंट से
- बाँस से
- प्लास्टिक से

गाँववालों को अगर कहीं गंदगी नज़र आती तो वे क्या करते हैं?

- गाँववाले फौरन सफ़ाई में लग जाते हैं।
- गाँववाले फौरन पुलिस को बुलाने में लग जाते हैं।

- गाँववाले फौरन सफ़ाईवाले को बुलाने में लग जाते हैं।
- गाँववाले फौरन नगरपालिका को फ़ोन करने में लग जाते हैं।

अगर सड़क पर चलते हुए गाँववालों को कहीं भी कचरा नज़र आए तो वे पहले क्या करते हैं?

- वे कचरे को डस्टबिन में डालते हैं।
- वे कचरे को घर ले जाते हैं।
- वे कचरे को जलाते हैं।
- वे कचरे को गड्ढे में डालते हैं।

मावलिन्नोंग गाँव को किस बीमारी ने बुरी तरह जकड़ लिया था?

- हैजा
- बुखार
- कैंसर
- मधुमेह

मावलिन्नोंग गाँव में मेडिकल सुविधा न होने के कारण बीमारी से छुटकारा पाने का एकमात्र उपाय क्या है ?

- सफ़ाई करना
- तेज़ चलना
- पानी पीना
- खाना खाना

सही प्रस्ताव कौन-सा है?

- चाहे खाना हो,घर हो,गाँव हो या फिर अपना शरीर ही क्यों न हो सफ़ाई ज़रूरी है।
- चाहे खाना हो,घर हो,गाँव हो या फिर अपना शरीर ही क्यों न हो सफ़ाई ज़रूरी नहीं है।
- चाहे खाना हो,घर हो,गाँव हो या फिर अपना शरीर ही क्यों न हो सुगंध ज़रूरी है।
- चाहे खाना हो,घर हो,गाँव हो या फिर अपना शरीर ही क्यों न हो गरमी ज़रूरी है।

प्रश्नों के उत्तर दलों द्वारा ढूँढ निकालें ।
प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता चलाएँ।
पहला दल दूसरे दल से प्रश्न पूछे।
दूसरा दल तीसरे दल से प्रश्न पूछे।
प्रश्नोत्तरी ज़ारी रखें।

पूछें: यहाँ गाँववालों का कौन-सा मनोभाव प्रकट होता है?
प्रतिक्रिया
जीवन में नीरोग रहने के लिए क्या-क्या उपाय हैं ?
प्रतिक्रिया
चुनिंदे छात्रों से पाठभाग का वाचन करवाएँ ।
मावलिन्नोंग वीड़िओ आख्यान के साथ दिखाएँ।
दलों को स्ट्रिपवाले लिफ़ाफे दें। स्ट्रिप में पाठभाग के वाक्य हों।
लिफ़ाफे में दल के छात्रों की संख्या के अनुसार स्ट्रिप हों।

DRAFT

कहें: दल का हर सदस्य एक स्ट्रिप हाथ में रखे।

पाठ के आधार पर वाक्यों को क्रमबद्ध करके कतार में खड़े होने का निर्देश दें।

वाक्यों को सही रूप से क्रमबद्ध करके कतार में खड़े होनेवाले दल को इनाम दें।

कहें: अब वाचन प्रतियोगिता चलाएँ।

शर्त यह है कि स्ट्रिप वाचन सही क्रम में होना है।

वाचन में दल के सभी सदस्य भाग लें।

हर एक दल की प्रस्तुति के समय अन्य दलों के सदस्य पूरा पाठभाग ध्यान से देखें।

आकलन करने का अवसर दें।

सीटी बजाएँ।

वाचन शुरू करें। वाचन प्रतियोगिता चलाएँ।

आप आकलन भी करें।

आशय समझकर स्वराघात-बलाघात,उतार-चढ़ाव एवं हाव-भाव सहित वाचन किया है।

प्रतिभागियों से आँखें बंद करने का निर्देश दें।

पूछें: हमारा गाँव साफ़-सुथरा है?

हमारा घर साफ़-सुथरा है?

हमारा स्कूल साफ-सुथरा है?

इन्हें साफ़-सुथरा बनाने के लिए हम क्या करेंगे ?

एक छात्र के नाते आप कुछ कर सकते हैं ?

हमारे स्कूल और आस-पास की जगहें साफ़ करने के लिए **सुरीली सभा** का क्या दायित्व है?

आँखें खोलने का निर्देश दें।

इस साल 'सुरीली सभा' के नेतृत्व में स्कूल और आसपास की जगहें साफ़-सुथारी रखने के लिए कुछ प्रक्रियाएँ अपनाएँ।

क्या-क्या कर सकते है?

प्रतिक्रिया

बोर्ड पर सूचीबद्ध करें।

सब कहीं हमें पोस्टर चिपकाने हैं,

तो आप वैयक्तिक रूप में स्कूल और उसके आसपास रखने के लिए पोस्टर तैयार करें ?

नोटबुक पर पोस्टर बनाने का निर्देश दें।

चुनिंदों की प्रस्तुति।

पोस्टर तैयार करते समय किन-किन बिंदुओं पर ध्यान रखना चाहिए?

पोस्टर को आकर्षक कैसे बनाएँ?

क्या सभी पोस्टरों में चित्रों की ज़रूरत है?

- पोस्टर में चित्रों की ज़रूरत नहीं।

पोस्टर के विविध टेक्सटों के आकार कैसे हों?

- टेक्स्ट की अहमियत के अनुसार उसका आकार तय करें।

पोस्टर के संदेश वाक्य की विशेषताएँ क्या-क्या हैं?

DRAFT

- संक्षिप्त हो और प्रभावशाली हो।

संक्षिप्तीकरण चार्ट बोर्ड पर टाँगें।

संक्षिप्तीकरण

प्रस्तुत आशय को लेकर संक्षिप्त एवं प्रभावशाली संदेश वाक्यों को जोड़कर आकर्षक रूप से पोस्टर तैयार किया है।

आशय संक्षिप्तता-

गतिविधि में सूचित आशय कार्यक्रमवाले पोस्टर में पूरे वाक्य में नहीं लिखा जाता है, शब्द मात्र लिखे जाते हैं।संदेश देनेवाले पोस्टर में संदेश वाक्य जोड़ते समय छोटे वाक्य या वाक्यांश लिखा जाता है। बड़े-बड़े आशयों को छोटे और प्रभावशाली वाक्यों में लिखा जाता है।

आकर्षकता-

सरल, स्पष्ट और पठनीय होना चाहिए। इसका तात्पर्य चित्र बनाने से मात्र नहीं। ले-आउट से भी है। शब्दों के आकार, लिखावट, उनका विन्यास, रंगों का और खाली स्थान का इस्तेमाल आदि से है।

पोस्टर बनाने के लिए छात्रों को आवश्यक ए4 पेपर, मार्कर, क्रयोन्स आदि दें ।

पर्याप्त समय दें।

चुनिंदों की प्रस्तुति।

हर एक दल को अपने-अपने पोस्टर प्रस्तुत करने का अवसर दें।

पूछें: सबसे अच्छा पोस्टर कौन-सा है?

प्रतिभागी अच्छा पोस्टर चुनें।

टीचर वेर्शन दिखाएँ।

टीचर वेर्शन पढ़कर सुनाएँ।

दलों के द्वारा प्रस्तुत पोस्टर चुनें।

(इनमें से किसी पोस्टर में त्रुटि है तो वही पोस्टर चुनें।)

टीचर वेर्शन के पास उसको लटकाएँ।

पूछें: क्या इसमें कुछ जोड़ना है?

क्या इससे कुछ छोड़ना है?

क्या टीचर वेर्शन के पोस्टर का आशय इस पोस्टर में आया है?

प्रतिक्रिया।

पोस्टर का वाक्य रचना संबन्धी(Syntactic),रूपात्मक(Morphological),स्वनिमिक(Phonemic)

संशोधन (Editing)करें।

सभी दलों को पोस्टर परिमार्जित करने का मौका दें।

दलों के पोस्टरों की प्रदर्शनी तैयार करें।

संदेश वाक्य में आवश्यक परिवर्तन करें।

इसके साथ कुछ चित्र जोड़ें।

इसमें ढाँचा बनाएँ।

अनुबद्ध कार्य : डिजिटल पोस्टर बनाएँ।

DRAFT

अनौपचारिक संवाद

गाँव में कहाँ-कहाँ पोस्टर लगाएँ ?

पूछें: अच्छा, क्या हम कुछ कोलाश देखें?

चित्र दिखाएँ।

पूछें:

कोलाश में कितने चित्र हैं?

चित्रों में क्या लिखा है? पढ़ने का अवसर दें।

हर एक चित्र क्या बता रहा है?

प्रतिक्रिया

अच्छा ठीक है, हर एक चित्र हमें कोई सूचना दे रहा है न?

इस प्रकार के सूचना पट कहाँ-कहाँ देखने को मिलते हैं?

प्रतिक्रिया

पृष्ठ संख्या बारह में भी एक सूचना पट है।

पढ़ सकते हैं?

पढ़ने का अवसर दें।

पूछें... अपूर्ण है क्या?

अपने नोटबुक में पूर्ण रूप में सूचना पट तैयार करने का निर्देश दें।

लेखन की प्रक्रिया चलाएँ।

मान लें, मावलिन्नोंग गाँव में पर्यटक आते हैं। वहाँ सूचना पट है। वह कैसा होगा?

मावलिन्नोंग

एशिया का सबसे साफ़-सुथरा गाँव

ध्यान दें ...

.....

पृष्ठ संख्या चौदह लेने का निर्देश दें।

DRAFT

लेखन की प्रक्रिया चलाएँ।

आकलन भी करें:

यहाँ लोग अपने घर से निकलनेवाले कूड़े-कचरे को भी डस्टबिन में जमा करते हैं और फिर उसे एक जगह इकट्ठा कर खेती के लिए खाद की तरह इस्तेमाल करते हैं।

-यह वाक्य बोर्ड पर लिखें।

पढ़ने का निर्देश दें।

पूछें: लोग अपने घर से निकलनेवाले कूड़े-कचरे को किसमें जमा करते हैं?

कूड़े-कचरे को इकट्ठा करके क्या करते हैं?

प्रतिक्रिया

कूड़े-कचरे से खाद बनाते हैं।

खाद का खेती के लिए इस्तेमाल करते हैं।

कूड़े-कचरे का पुनर्चक्रण करके खाद बनाते हैं।

प्रतिक्रिया बोर्ड पर लिखें।

पढ़ने का अवसर दें।

पूछें: इस प्रकार किन-किन चीज़ों का पुनर्चक्रण कर सकते हैं?

प्रतिक्रिया का अवसर दें।

चर्चा चलाएँ।

बोर्ड पर सूचीबद्ध करें।

पुनर्चक्रण से प्रकृति का बोझ कम हो जाता है।

पृष्ठसंख्या चौदह लेने का निर्देश दें।

'पुनर्चक्रण से प्रकृति का बोझ कम हो जाता है।' चर्चा करके पुनर्चक्रण की सूची तैयार करें :

जैसे –

कूड़े-कचरों से - खाद

इस्तेमाल किए गए प्लास्टिक से -

पढ़ने का निर्देश दें। लेखन की प्रक्रिया चलाएँ।

आकलन करें।

नारियल के छिलके से
काँच के टुकडे से
पुराने जूते से
पुराने कपड़ों से
कागज़ से
.....
.....

यह प्रक्रिया चलाएँ।

आकलन करें।

पृष्ठसंख्या पन्द्रह लेने का निर्देश दें।

सार्थक वाक्य बनाएँ :

साफ़-सफ़ाईहमारादायित्वहै।

स्वच्छनहींरहेंगेतोस्वस्थनहींहोंगे।

तनहोयामनसफ़ाईज़रूरीहै।

- .....
- .....
- .....

'नारा गीत' को आगे बढ़ाएँ :

स्वच्छ रहो तुम स्वस्थ बनो
प्रकृति को तुम अपना लो
हरियाली का गीत रचो तुम
शुद्ध हवा को अपना लो

पढ़ने का अवसर दें।

पूछें: इन वाक्यों की विशेषताएँ क्या-क्या हैं?

प्रतिक्रिया

बोर्ड पर सूची बद्ध करें।

जैसे:- सरल भाषा

संदेशात्मक वाक्य

संगीतात्मक वाक्य

उत्तेजनात्मक वाक्य

प्रवाहमयी शैली

.....

.....

इस प्रकार के अन्य वाक्य बना सकते हैं?

सहायता के लिए प्रश्न पूछें।

पेड़ लगाने से क्या फ़ायदा है ?

प्रतिक्रिया

DRAFT

बोर्ड पर लिखें।

पेड़ लगाओ पेड़ लगाओ

प्रकृति को बचाओ

इसी प्रकार नारे गीत को आगे बढ़ाएँ।

अनुबद्ध कार्य: अपने इलाके के मलिन प्रदेशों के नाम सूचीबद्ध करें। उन इलाकों को साफ़-सुथरा बनाने का सुझाव देते हुए सुरीली सभा की ओर से निवेदन तैयार करें। निवेदन पंचायत अध्यक्ष को सौंपने का कार्यक्रम भी चलाएँ।

DRAFT

इकाई रूपरेखा

इकाई का नाम : परिश्रम

पाठ का नाम / प्रोक्ति	अधिगम उद्देश्य	मूल्य और मनोभाव	अधिगम गतिविधियाँ	आकलन	समय
गाँधीजी की नमक कथा / कहानी	• चित्र और विचार का विश्लेषण करके आशय समझने की अवधारणा बढ़ाना। • कहानी पढ़कर आशय ग्रहण करने की क्षमता बढ़ाना। • कहानी के आशय समझकर घटनाओं को क्रमबद्ध करने की क्षमता प्राप्त कराना। • रपट लिखने की अवधारणा अर्जित कराना । • प्रोफाइल तैयार करने की क्षमता बढ़ाना।	किसी भी काम में सफलता प्राप्त करने के लिए परिश्रम और स्थिरोत्साह आवश्यक हैं।	चित्रवाचन कहानी वाचन और विश्लेषण घटनाओं को क्रमबद्ध करना रपट तैयार करना स्वतन्त्रता सेनानियों का प्रोफाइल तैयार करना।	**चित्र बाचन** अध्यापक का आकलन- चित्र का विश्लेषण करके आशय समझा है। **कहानी का बाचन और विश्लेषण** स्व आकलन, आपसी आकलन, अध्यापक का आकलन- कहानी का आशय समझकर स्वराघात, बलाघात, उतार-चढ़ाव के साथ वाचन किया है। विश्लेषण किया है। **घटनाओं को क्रमबद्ध करना** स्व आकलन, आपसी आकलन, अध्यापक का आकलन- आशय समझकर कहानी की घटनाओं को सही क्रम में लिखा है। **रपट तैयार करना** स्व आकलन, आपसी आकलन, अध्यापक का आकलन- घटना का वस्तुनिष्ठ विवरण देते हुए उत्सुकताजन्य शीर्षक देकर रपट की शैली में लिखा है। **प्रोफाइल तैयार करना** स्व आकलन, आपसी आकलन, अध्यापक का आकलन- महान व्यक्तियों के जीवन की घटनाओं को समझकर समग्र रूप से प्रोफ़ाइल तैयार किया है।	12 कालांश

इकाई – 2

परिश्रम

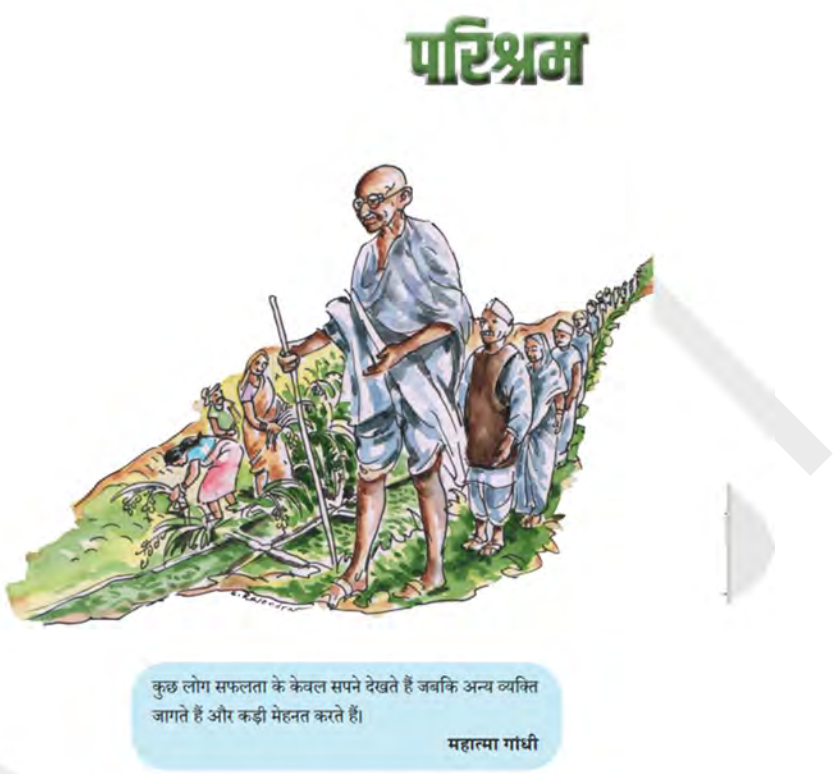

केवल इच्छा होने से ही नहीं, साथ में मेहनत भी कार्य को सफल बनाते हैं। सफलता पाने के लिए परिश्रम करना बहुत आवश्यक है। परिश्रम करने से असाध्य कार्य भी साध्य बन जाते हैं । इसके मूल में दृढ़ संकल्प भी ज़रूरी है। लक्ष्य-प्राप्ति तक का रास्ता कितना भी जटिल हो, परिश्रमी व्यक्ति अंत तक हार नहीं मानता। वह अपने कर्म पथ पर आगे ही बढ़ता जाता है । श्रम वह महान गुण है, जिससे व्यक्ति और राष्ट्र की उन्नति होती है। संसार में सफल, महान और अमर बनने के लिए परिश्रमी होना अनिवार्य है। हमारे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने हमें श्रम की पूजा का पाठ पढ़ाया है।

इस इकाई में 'परिश्रम की महत्ता' को उजागर किया गया है। इसमें उदयन वाजपेयी की कहानी 'गांधीजी की नमक कथा' और केदरनाथ अग्रवाल की कविता 'यह धरती है उस किसान की' शामिल हैं। इन रचनाओं से गुज़रते हुए छात्र रपट, प्रोफ़ाइल, आस्वादन टिप्पणी, संदेश वाक्य और लेख लिखने की क्षमता प्राप्त करने के साथ ही साथ दृढ़ निश्चय और श्रम का महत्व जैसे मूल्यों से भी अवगत हो जायेंगे ।

इकाई दो

परिश्रम

पाठ का नाम : गाँधीजी की नमक कथा

अधिगम उद्देश्य :

- कहानी पढ़कर आशय ग्रहण करने की क्षमता बढ़ाना
- कहानी की भाषा-शैली की जानकारी प्राप्त करना
- कहानी को उचित शीर्षक देने की क्षमता प्राप्त करना
- कहानी-सृजन करने की क्षमता प्राप्त करना
- रपट लिखने की क्षमता प्राप्त करना
- प्रोफ़ाइल तैयार करने की अवधारणा प्राप्त करना
- प्रदर्शनी आयोजित करने की क्षमता प्राप्त करना

आशय व धारणा :

कहानी की शैली का पालन हुआ है।

परिश्रम और दृढ़ निश्चय हमें लक्ष्य और सफलता की ओर ले जाते हैं।

गांधीजी ने देशवासियों को सम्मिलित करके अहिंसात्मक रूप से स्वतंत्रता आंदोलन को आगे बढ़ाया।

मूल्य और मनोभाव :

किसी भी काम में सफलता प्राप्त करने के लिए परिश्रम और दृढ़ निश्चय आवश्यक हैं।

सामग्री : पी.पी.टी, चार्ट, विभिन्न रंगोंवाली पर्चियाँ

समय : 10 कालांश

मोड्यूल -1

पृष्ठ संख्या सत्रह का चित्र दिखाएँ-

आप पूछें

चित्र में आप क्या-क्या देखते हैं ?

खेत में लोग क्या कर रहे हैं ?

गांधीजी के नेतृत्व में ये लोग कहाँ जा रहे होंगे ?

गाधीजी के नेतृत्व में ये लोग कौन-कौन से जुलूस पर निकले थे?

स्वतंत्रता-संग्राम में भाग लेनेवाले नेता कौन-कौन हैं?

आप प्रतिक्रियाओं को बोर्ड में सूचीबद्ध करें।

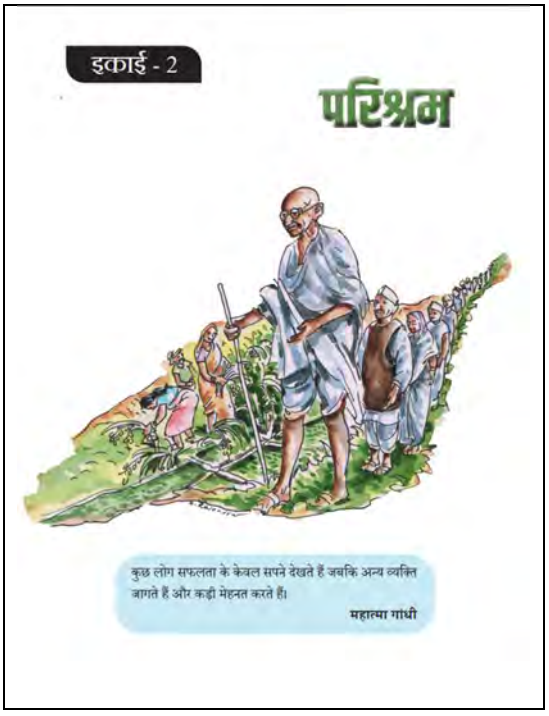

आप संक्षिप्तीकरण करें

खेतों में किसान परिश्रम कर अन्न उपजा रहे हैं। गांधीजी के नेतृत्व में लोग जुलूस के लिए जा रहे हैं। महात्मा गाँधी, सुभाषचंद्र बोस, अक्कम्मा चेरियन,भगत सिंह,जवाहर लाल नेहरू,रानी लक्ष्मीबाई, चंद्रशेखर आज़ाद, सरोजिनी नायडू... आदि स्वतंत्रता-संग्राम में भाग लेनेवाले नेता हैं।

DRAFT

आप कहें : 'कुछ लोग सफलता के केवल सपने देखते हैं जबकि अन्य व्यक्ति
जागते हैं और कड़ी मेहनत करते हैं।'-महात्मा गाँधी

आप पूछें : सपने देखने से क्या तात्पर्य है?
सफलता पाने के लिए हमें क्या करना चाहिए ?
परिश्रम से क्या लाभ होता है ?
हमें अंग्रेज़ों से आज़ादी कैसे मिली थी ?

आप संक्षिप्तीकरण करें :

सफलता पाने के लिए हमें परिश्रम करना चाहिए। कई स्वतंत्रता सेनानियों के परिश्रम और दृढ़ विश्वास के कारण ही हमें आज़ादी मिली थी। हमारी आज़ादी के पीछे कई रोचक घटनाएँ हैं।

आप कहें:

महात्मा गाँधी, सुभाषचंद्र बोस, अकम्मा चेरियन, भगत सिंह,जवाहर लाल नेहरू, रानी लक्ष्मीबाई, चंद्रशेखर आज़ाद, सरोजिनी नायडू जैसे स्वत्रता-संग्राम में भाग लिए नेताओं के चित्र नोट बुक में चिपकाएँ।

आप पूछें:

एल्बम तैयार किया, क्या?
चित्र के साथ नाम भी लिखना है।
एक खेल खेलें?
खेल है -**'मैं कौन हूँ ?'**

पूर्व तैयारी

आप छात्रों की संख्या के अनुसार कागज़ के टुकड़े बनाएँ।

पर्चियों में अलग-अलग रंगों से स्वतंत्रता सेनानियों के नाम लिखें।

जितने दल बनाना चाहते हैं उतने ही स्वतंत्रता सेनानियों के नाम लिखें।

बाकी पर्चियों में स्वतंत्रता सेनानियों के नाम लिखे रंग से ही सेनानियों से संबंधित वाक्य लिखें।
लिखे पर्चियों को एक बॉक्स में डालें।

नीले रंगवाली पर्ची में –

1. महात्मा गांधी

2. जन्म पोरबन्दर, गुजरात में हुआ है।
3. राष्ट्रपिता के नाम से जाने जाते हैं।
4. अहिंसा का मार्ग दिखाया।
5. असहयोग आंदोलन, भारत छोड़ो आंदोलन आदि में भाग लिया।

हरे रंग वाली पर्ची में –

1.सुभाषचंद्र बोस

2. जन्म कटक, ओड़ीशा में हुआ।
3. आजाद हिन्द फौज की स्थापना की।
4. द्वितीय विश्व युद्ध में भाग लिया।
5. जय हिन्द का नारा दिया।

DRAFT

पीली रंगवाली पर्ची में –

1.अकम्मा चेरियन

2. जन्म कांजिरपल्ली, केरल में

3. त्रावणकोर की लक्ष्मीबाई के नाम से जानी जाती हैं।

4.सविनय अवज्ञा आंदलन और भारत छोड़ो आंदोलन में भाग लिया

5. कौडियार पैलेस तक जुलूस निकाला।

लाल रंगवाली पर्ची में –

1. भगत सिंह

2. जन्म लायलपुर, पंजाब में हुआ।

3. 'मेरा रंग दे बसंती चोला,मेरा रंग दे' – गीत गाया।

4. 23 साल की उम्र में देश के लिए फाँसी पर चढ़े।

5. क्रांतिकारी थे।

इस तरह छात्रों की संख्या के अनुसार सुभाषचंद्र बोस, अक्कम्मा चेरियन, भगत सिंह, जवाहर लाल नेहरू, रानी लक्ष्मीबाई, चंद्रशेखर आज़ाद, सरोजिनी नायडू या अन्य सेनानियों की पर्चियाँ अलग रंगों से तैयार करें।

सीटी बजाएँ

ब्रॉक्स कक्षा में घुमाएँ।

आप कहें :

प्रत्येक छात्र बॉक्स में से एक-एक पर्ची चुन लें।
पर्ची में लिखे रंगों के अनुसार दल बनाएँ।
जिन छात्रों को स्वतंत्रता सेनानियों के नाम मिले हैं वे दल के नेता बनें।

दल के सदस्य उनकी पर्ची का वाक्य दल में ही अन्य सदस्यों को पढ़कर सुनाएँ।

वैयक्तिक रूप में नोटबुक में स्वतंत्रता सेनानी का परिचय लिखें।

आवश्यक समय भी दें।

'मैं कौन हूँ?' खेल शुरू करें।

खेल की शर्त यही है कि सीटी बजते ही एक दल कक्षा में आगे आएँ।

दल नेता की पर्ची को छोड़कर सदस्य अपनी पर्ची का वाक्य पढ़कर सुनाएँ।

अंत में दल नेता पूछें 'मैं कौन हूँ ?'

अगली सीटी बजने के पहले

DRAFT

कक्षा के बाकी दल स्वतंत्रता सेनानी को पहचानकर नाम बताएँ।

सबसे पहले नाम बतानेवाले दल को पाँच अंक मिलेंगे।

अगर कोई भी दल न बता पायें तो प्रस्तुत करनेवाले दल को पाँच अंक मिलेंगे।

हर एक दल को प्रस्तुति का अवसर दें।

खेल ज़ारी रखें।

आप बोर्ड पर हर एक दल को मिले अंक सही ढ़ग से लिखते रहें।

सबसे अधिक स्कोर मिलनेवाले दल को विजयी घोषित करें और उनका प्रोत्साहन करें।

(हर एक दल को एक चार्ट, मार्कर,क्रयोन,गोंद आदि दें।)

प्रत्येक दल अपने को मिले हुए स्वतंत्रता सेनानियों का प्रोफाइल चार्ट में तैयार करें।

चित्र भी खींचें।

(आवश्यक समय दें, दलों को प्रस्तुति का अवसर दें।)

अध्यापक उचित संशोधन करें।

चार्ट का कक्षा में प्रदर्शन करें।

स्वतंत्रता सेनानियों के प्रोफ़ाइल वैयक्तिक रूप से नोटबुक में तैयार करें।

एल्बम/डिजिटल एल्बम तैयार करें।

आप पूछें: क्या आपने स्वतंत्रता सेनानियों का प्रोफाइल तैयार किया है ?

सब लोग कक्षा में उचित जगह पर उसे प्रदर्शित करें।

एल्बम/डिजिटल एल्बम की प्रदर्शनी चलाएँ।

प्रदर्शनी कैसे लगी?

प्रतिक्रिया का अवसर।

आप कहें: पाठ्यपुस्तक में पृष्ठ संख्या अठारह लें।

आप पूछें: चित्र में क्या दिखता है?

गाँधीजी के नेतृत्व में लोग कहाँ जा रहे हैं?

उनके हाथ में क्या है?

पाठ का नाम क्या है?

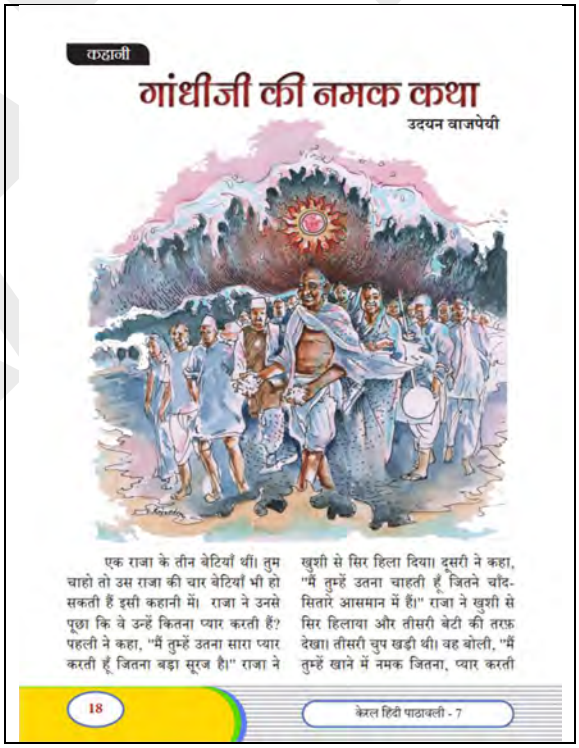
कहानी

गांधीजी की नमक कथा

उदयन वाजपेयी

एक राजा के तीन बेटियाँ थीं। तुम चाहो तो उस राजा की चार बेटियाँ भी हो सकती हैं इसी कहानी में। राजा ने उनसे पूछा कि वे उन्हें कितना प्यार करती हैं? पहली ने कहा, "मैं तुम्हें उतना सारा प्यार करती हूँ जितना बड़ा सूरज है।" राजा ने खुशी से सिर हिला दिया। दूसरी ने कहा, "मैं तुम्हें उतना चाहती हूँ जितने चाँद-सितारे आसमान में हैं।" राजा ने खुशी से सिर हिलाया और तीसरी बेटी की तरफ़ देखा। तीसरी चुप खड़ी थी। वह बोली, "मैं तुम्हें खाने में नमक जितना, प्यार करती

18

केरल हिंदी पाठावली - 7

प्रतिक्रिया का अवसर दें।

आप कहें : **गाँधीजी के नेतृत्व में लोग नमक सत्याग्रह के लिए दांड़ी जा रहे हैं।**

अब हम एक कहानी पढ़ें।

पृष्ठ संख्या अठारह के 'एक राजा ...' से लेकर '...समझता है।' तक का अंश पढ़ें।

वैयक्तिक वाचन का अवसर दें।

छात्र अपरिचित शब्दों का परिचय पाएँ।

इसको पृष्ठ संख्या तेईस से मदद लेने को कहें।

दलों में विचार-विनिमय का अवसर दें।

आप पूछें: यहाँ राजा के कितनी बेटियाँ थीं ?

DRAFT

राजा ने उनसे क्या पूछा ?

पहली बेटी ने क्या कहा ?

दूसरी बेटी ने क्या कहा ?

तीसरी बेटी ने राजा से कितना प्यार करने की बात की ?

तीसरी बेटी का जवाब राजा को कैसे लगा ?

कहानी के अंत मे राजा क्या समझ लेता है?

अगर राजा की चौथी बेटी आप हैं तो क्या उत्तर देंगे?

प्रतिक्रिया का अवसर दें।

राजा और बेटियों के बीच का वार्तालाप तैयार करें।

मदद के लिए नमूना बोर्ड पर खींचें।

जैसे:-

राजा	: प्यारी बेटियो,आप मुझे कितना प्यार करती हैं?
पहली बेटी	: .....।
राजा	: .....?
दूसरी बेटी	: .....।
राजा	: .....?
तीसरी बेटी	: .....।
राजा	: .....?
चौथी बेटी	: .....।

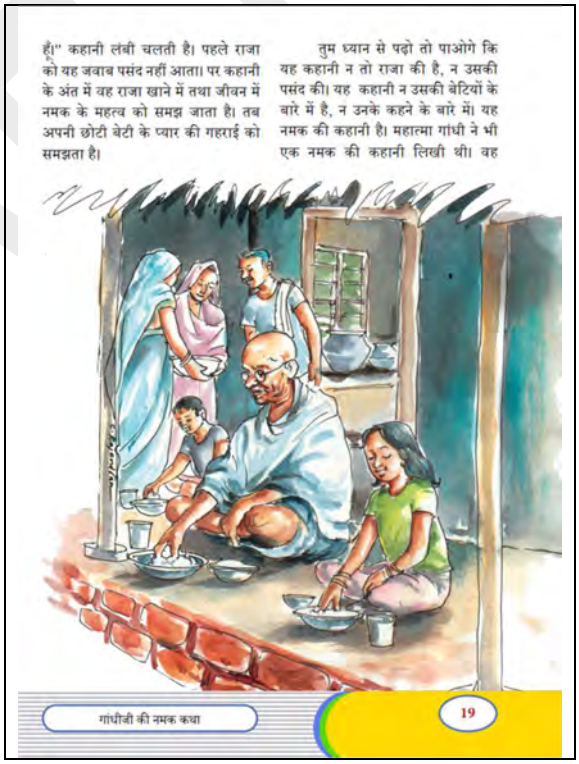

हूँ।" कहानी लंबी चलती है। पहले राजा को यह जवाब पसंद नहीं आता। पर कहानी के अंत में वह राजा खाने में तथा जीवन में नमक के महत्व को समझ जाता है। तब अपनी छोटी बेटी के प्यार की गहराई को समझता है।

तुम ध्यान से पढ़ो तो पाओगे कि यह कहानी न तो राजा की है, न उसकी पसंद की। यह कहानी न उसकी बेटियों के बारे में है, न उनके कहने के बारे में। यह नमक की कहानी है। महात्मा गांधी ने भी एक नमक की कहानी लिखी थी। वह

आप कहें –

वैयक्तिक रूप में राजा और उनकी बेटियों बीच हुई बातचीत की पूर्ति करें।

दलों में बैठकर बातचीत के आधार पर रोल प्ले की तैयारी करें और प्रस्तुत करें।

अवश्यक समय भी दें।

आप कहें :

रोल प्ले कैसे लगा?

पृष्ठ संख्या उन्नीस के 'तुम ध्यान ...' से लेकर पृष्ठसंख्या बीस के '...लिया था।' तक का अंश पढ़ें।

वैयक्तिक वाचन का अवसर दें।

छात्र अपरिचित शब्दों का परिचय पाएँ। पृष्ठ संख्या तेईस से मदद लें।

दलों में विचार-विनिमय का अवसर दें।

आप इन प्रश्नों के ज़रिए चर्चा चलाएँ –

"यह कहानी न तो राजा की है न उसकी पसंद की।
यह कहानी न उसकी बेटियों के बारे में,न उनके कहने
के बारे में।" – तो यह किसकी कहानी है?

गांधीजी ने नमक की कहानी कैसे लिखी थी ?

यहाँ चलकर लिखने का तात्पर्य क्या है ?

देश भर के लोग किससे चिंतित थे ?

लोग देश को किसके चंगुल से छुड़ाना चाहते थे ?

'सपना आँखों में लिया' से आपने क्या समझा?

लोगों ने कौन-सा सपना आँखों में लिया था ?

भारत के लोग देश को अंग्रेज़ों के चंगुल से छुड़ाना
चाहते थे, कारण क्या था ?

चर्चा के बाद आप संक्षिप्तीकरण दें –

गांधीजी ने एक नमक की कहानी लिखी थी। वह बोलकर नहीं बल्कि सैंकड़ो मील चलकर लिखी थी। उनके साथ देश भर के लोग भी थे। वे सब अंग्रेज़ों की अनियंत्रित लूट से चिंतित थे। उनहोंने भारत देश को नई तरह से चलाने का सपना आँखों में लिया था।

चुनिंदे छात्रों से कहानी के अंश का वाचन कराएँ।

ओडियो सुनाएँ।

आप कहें :

पृष्ठ संख्या बीस का 'उन दिनों ...' से लेकर '...सकती थी।' तक का अंश पढ़ें।

वैयक्तिक वाचन का अवसर दें।

छात्र अपरिचित शब्दों का परिचय पाएँ। पृष्ठ संख्या तेईस से मदद लेने को कहें।

दलों में विचार-विनिमय का अवसर दें।

आप इन प्रश्नों के ज़रिए चर्चा चलाएँ -

आप पूछें :

अंग्रेज़ों ने किस पर टेक्स लगा रखा था ?

अंग्रेज़ों के ज़माने में नमक कैसे महँगा हो गया ?

अंग्रेजों ने भारत के लोगों को किस बात पर रोक लगाई थी ?

कोई अपने ही समुद्र के पानी से नमक बनाए तो किसकी संभावना थी ?

नमक महँगा हो जाने से किसको लाभ मिलता था ?

अंग्रेज़ों ने भारत के लोगों को खुद नमक बनाने से रोक रखी थी और नमक पर टैक्स लगा रखा था – इसका कारण क्या होगा ?

प्रतिक्रिया का अवसर दें।

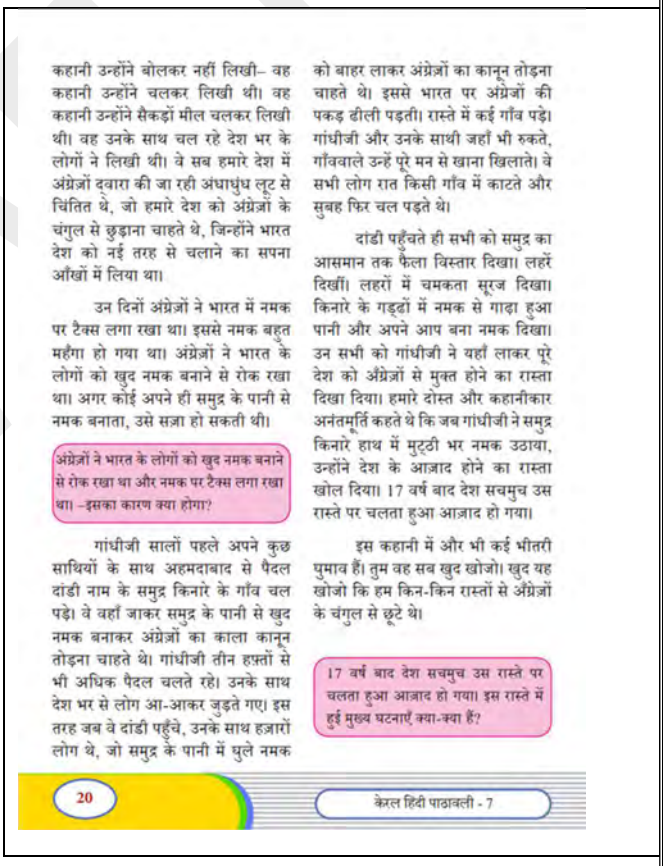

कहानी उन्होंने बोलकर नहीं लिखी– वह कहानी उन्होंने चलकर लिखी थी। वह कहानी उन्होंने सैकड़ों मील चलकर लिखी थी। वह उनके साथ चल रहे देश भर के लोगों ने लिखी थी। वे सब हमारे देश में अंग्रेज़ों द्वारा की जा रही अंधाधुंध लूट से चिंतित थे, जो हमारे देश को अंग्रेज़ों के चंगुल से छुड़ाना चाहते थे, जिन्होंने भारत देश को नई तरह से चलाने का सपना आँखों में लिया था।

उन दिनों अंग्रेज़ों ने भारत में नमक पर टैक्स लगा रखा था। इससे नमक बहुत महँगा हो गया था। अंग्रेज़ों ने भारत के लोगों को खुद नमक बनाने से रोक रखा था। अगर कोई अपने ही समुद्र के पानी से नमक बनाता, उसे सज़ा हो सकती थी।

अंग्रेज़ों ने भारत के लोगों को खुद नमक बनाने से रोक रखा था और नमक पर टैक्स लगा रखा था। –इसका कारण क्या होगा?

गांधीजी सालों पहले अपने कुछ साथियों के साथ अहमदाबाद से पैदल दांडी नाम के समुद्र किनारे के गाँव चल पड़े। वे वहाँ जाकर समुद्र के पानी से खुद नमक बनाकर अंग्रेज़ों का काला कानून तोड़ना चाहते थे। गांधीजी तीन हफ़्तों से भी अधिक पैदल चलते रहे। उनके साथ देश भर से लोग आ-आकर जुड़ते गए। इस तरह जब वे दांडी पहुँचे, उनके साथ हज़ारों लोग थे, जो समुद्र के पानी में घुले नमक को बाहर लाकर अंग्रेज़ों का कानून तोड़ना चाहते थे। इससे भारत पर अंग्रेज़ों की पकड़ ढीली पड़ती। रास्ते में कई गाँव पड़े। गांधीजी और उनके साथी जहाँ भी रुकते, गाँववाले उन्हें पूरे मन से खाना खिलाते। वे सभी लोग रात किसी गाँव में काटते और सुबह फिर चल पड़ते थे।

दांडी पहुँचते ही सभी को समुद्र का आसमान तक फैला विस्तार दिखा। लहरें दिखीं। लहरों में चमकता सूरज दिखा। किनारे के गड्ढों में नमक से गाढ़ा हुआ पानी और अपने आप बना नमक दिखा। उन सभी को गांधीजी ने यहाँ लाकर पूरे देश को अँग्रेज़ों से मुक्त होने का रास्ता दिखा दिया। हमारे दोस्त और कहानीकार अनंतमूर्ति कहते थे कि जब गांधीजी ने समुद्र किनारे हाथ में मुट्ठी भर नमक उठाया, उन्होंने देश के आज़ाद होने का रास्ता खोल दिया। 17 वर्ष बाद देश सचमुच उस रास्ते पर चलता हुआ आज़ाद हो गया।

इस कहानी में और भी कई भीतरी घुमाव हैं। तुम वह सब खुद खोजो। खुद यह खोजो कि हम किन-किन रास्तों से अँग्रेज़ों के चंगुल से छूटे थे।

17 वर्ष बाद देश सचमुच उस रास्ते पर चलता हुआ आज़ाद हो गया। इस रास्ते में हुई मुख्य घटनाएँ क्या-क्या हैं?

20 केरल हिंदी पाठावली - 7

DRAFT

दल में विचार-विनिमय करने का निर्देश दें।

चर्चा के बाद आप संक्षिप्तीकरण करें –

अंग्रेज़ों ने भारत में नमक पर टैक्स लगा रखा था। लोग खुद समुद्र के पानी से नमक बनाते तो सजा होती थी। इसलिए नमक बहुत महंगा हो गया। इस तरह अंग्रेज़ भारत को लूट रहे थे।

चुनिंदे छात्रों से कहानी के अंश का वाचन करवाएँ।

कहानी का ओड़िओ सुनाएँ।

आप कहें :

पृष्ठ संख्या बीस में 'गांधीजी सालों ...' से लेकर '...चल पड़ते थे।' तक का अंश पढ़ें।

वैयक्तिक वाचन का अवसर दें।

छात्र अपरिचित शब्दों का परिचय पाएँ। पृष्ठ संख्या तेईस से मदद लेने को कहें।

दलों में विचार-विनिमय का अवसर दें।

आप इन प्रश्नों के ज़रिए चर्चा चलाएँ -

नमक सत्याग्रह के लिए गांधीजी कहाँ चल पड़े ?

उनके साथ और कौन-कौन थे ?

'दांडी में समुद्र के पानी से गांधीजी ने स्वयं नमक बनाया।' इसका उद्देश्य क्या था?

अंग्रेज़ों की पकड़ कैसे ढ़ीली पड़ गयी ?

दांडी यात्रा के दौरान गाँधीजी कहाँ रुकते थे?

दांडी यात्रा के प्रति गाँववालों की प्रतिक्रिया क्या थी ?

आप संक्षिप्तीकरण दें –

गांधीजी अपने साथियों सहित नमक सत्याग्रह के लिए अहमदाबाद से पैदल दांडी नाम के समुद्र किनारे चल पड़े। वे समुद्र के पानी से खुद नमक बनाकर अंग्रेज़ों का काला कानून तोड़ना चाहते थे। वे तीन हफ्तों से भी अधिक पैदल चलते रहे। रास्ते में जितने भी गाँव आते वहाँ गाँधी जी रुकते थे।गाँववाले उनके साथ समय बिताते और यात्रा के लिए चल पड़ते।

पृष्ठ संख्या बीस में 'दांडी पहुँचते ही ...' से लेकर '...चंगुल से छूटे थे।' तक का अंश पढ़ें।

वैयक्तिक वाचन का अवसर दें।

छात्र अपरिचित शब्दों का परिचय पाएँ। पृष्ठ संख्या तेईस से मदद लेने को कहें।

दलों में विचार-विनिमय का अवसर दें।

आप इन प्रश्नों के ज़रिए चर्चा चलाएँ -

दांडी पहुँचते ही सभी को क्या दिखा?

लहरों में क्या दिखा?

'लहरों में चमकता सूरज दिखना' से क्या तात्पर्य है?

दांडी यात्रा के द्वारा गांधीजी ने देश के लोगों को कैसा रास्ता दिखा दिया ?

17 वर्ष बाद देश सचमुच उस रास्ते पर चलता हुआ आज़ाद हो गया। उस रास्ते में हुई मुख्य घटनाएँ क्या-क्या हैं ?

वैयक्तिक रूप से प्रतिक्रिया का अवसर दें।

आप बोर्ड में सूचीबद्ध करते जाएँ।

दल में चर्चा करने को कहें।

चुनिंदे छात्रों से प्रस्तुतीकरण करने का निर्देश दें।

दल में विचार-विनिमय करने का निर्देश दें।

आप संक्षिप्तीकरण दें –

दांडी पहुँचते सभी को समुद्र,आसमान,लहरें,लहरों में चमकता सूरज और अपने आप बना नमक दिखे।' लहरों से चमकता सूरज, का मतलब है 'आज़ादी का नया प्रकाश'। गाँधीजी ने नमक बनाकर पूरे देश को अंग्रेजों से मुक्त होने का रास्ता दिखा दिया। इसके 17 वर्षों के बाद असहयोग आंदोलन,भारत छोड़ो आंदोलन,आज़ाद हिन्द फौज की स्थापना आदि घटनाओं से गुज़रते हुए भारत को आज़ादी मिली।

चुनिंदे छात्रों को कहानी का वाचन कराएँ।

कहानी का ओडिओ सुनाएँ।

पूछें: कहानी कैसे लगी?

कहानी की घटनाओं से संबंधित वर्कशीट की पूर्ति करें।

वर्कशीट बोर्ड पर या चार्ट पर लिखकर प्रस्तुत करें।

घटना	सही ✓ या गलत ✗
गाँधीजी पैदल दांडी के समुद्र किनारे चल पड़े।	
अंग्रेजों ने भारत में नमक मुफ्त में देना शुरू किया।	
गाँधीजी केरल से पैदल दांडी के गाँव चल पड़े।	
यात्रा के दौरान हज़ारों लोग जुड़ते गए।	
रास्ते में कई गाँव पड़े।	
गाँववालों ने गाँधीजी की मदद नहीं की।	
वे सभी लोग रात किसी गाँव में काटे और सुबह फिर चल पड़े।	
समुद्र के पानी से नमक बनाकर अंग्रेजों का कानून तोड़ा।	
इस प्रकार गाँधीजी ने पूरे देश को अंग्रेजों से मुक्त होने का रास्ता दिखा दिया।	

आप कहें-

यह नोटबुक में लिखें।

पर्याप्त समय भी दें।

चुनिंदे छात्रों को प्रस्तुति का अवसर दें।

दलों में परिमार्जन कार्य चलाएँ।

दलों की प्रस्तुति का अवसर दें।

आप भी प्रतिक्रिया के अनुसार सही (✓)या गलत (✗) बोर्ड पर लिखें।

वर्कशीट की सहायता से पृष्ठसंख्या इक्कीस की इन घटनाओं को क्रम से लिखें:

इन घटनाओं को क्रम से लिखें :

- वे सभी लोग रात किसी गाँव में काटते और सुबह फिर चल पड़ते।
- इस प्रकार गांधीजी ने पूरे देश को अंग्रेज़ों से मुक्त होने का रास्ता दिखा दिया।
- यात्रा के दौरान हज़ारों लोग जुड़ते गए।
- गांधीजी पैदल दांडी के समुद्र किनारे चल पड़े।
- रास्ते में कई गाँव पड़े।
- समुद्र के पानी से नमक बनाकर अंग्रेज़ों का कानून तोड़ा।

पर्याप्त समय भी दें।

चुनिंदे छात्रों की प्रस्तुति का अवसर दें।

दलों में परिमार्जन कार्य चलाएँ।

दलों की प्रस्तुति का अवसर दें।

टीचर वेर्शन दें।

- गाँधीजी पैदल दांडी के समुद्र किनारे चल पड़े।
- यात्रा के दौरान हज़ारों लोग जुड़ते गए।
- रास्ते में कई गाँव पड़े।
- वे सभी लोग रात किसी गाँव में काटते और सुबह फिर चल पड़े।
- समुद्र के पानी से नमक बनाकर अंग्रेजों का कानून तोड़ा।
- इस प्रकार गाँधीजी ने पूरे देश को अंग्रेजों से मुक्त होने का रास्ता दिखा दिया।

आप बोर्ड पर लिखें-

गांधीजी अहमदाबाद से पैदल चलकर दांडी पहुँचे। खुद नमक बनाकर अंग्रेज़ों का कानून तोड़ा।

घटना के आधार पर चार्ट की पूर्ति करें।

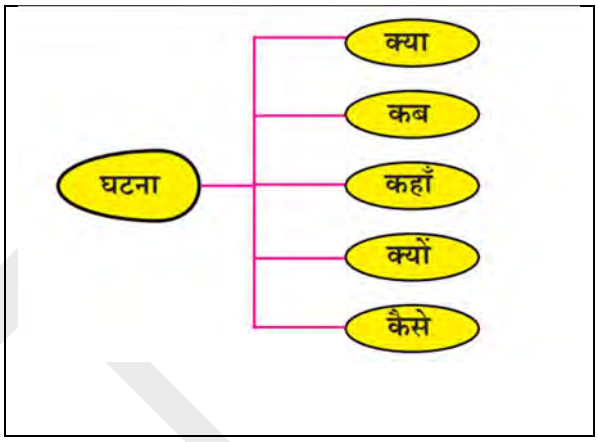

यहाँ किस घटना के बारे में कहा गया है ?

दांडी यात्रा में क्या घटना घटी?

यह घटना कब घटी ?

यह घटना कहाँ घटी?

गांधीजी ने क्यों दांडी यात्रा निकाली ?

यह यात्रा कैसे की गई ?

इस घटना ने देश को कौन-सा रास्ता दिखा दिया ?

आप कहें:

वैयक्तिक रूप से दांडी यात्रा के बारे में एक रपट तैयार करें।

चुनिंदे छात्र प्रस्तुत करें।

दलों में बैठकर रपट प्रस्तुत करें।

रपट का आदान- प्रदान करें।

चर्चा के लिए पृष्ठ संख्या बाईस के संकेत देखें।

कहें : दल में रपट का परिमार्जन कार्य चलाएँ।

चुनिंदे छात्र प्रस्तुत करें।

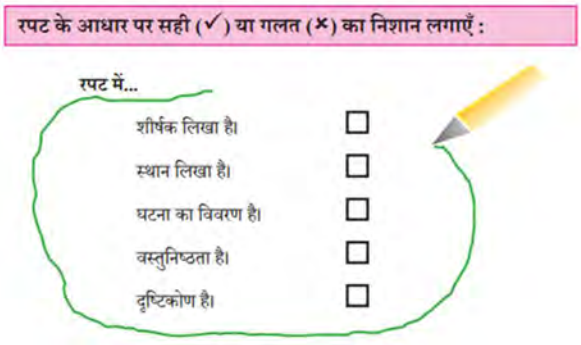
रपट के आधार पर सही (✓) या गलत (✗) का निशान लगाएँ :

रपट में...

- शीर्षक लिखा है। ☐
- स्थान लिखा है। ☐
- घटना का विवरण है। ☐
- वस्तुनिष्ठता है। ☐
- दृष्टिकोण है। ☐

रपट बनाने के लिए दलों को आवश्यक चार्ट, मार्कर, क्रयोन्स आदि दें।

पर्याप्त समय दें।

चुनिंदों की प्रस्तुति।

हर एक दल को अपनी-अपनी रपट प्रस्तुत करने का अवसर दें।

पूछें: सबसे अच्छा रपट कौन-सा है?

प्रतिभागी अच्छा रपट चुनें।

टीचर वेर्शन दिखाएँ।

टीचर वेर्शन पढ़कर सुनाएँ।

दलों के द्वारा प्रस्तुत रपट चुनें।

(इनमें से किसी रपट में त्रुटि है तो वही चुनें।)

टीचर वेर्शन के पास उसको लटकाएँ।

पूछें: क्या इसमें कुछ जोड़ना है?

क्या इससे कुछ छोड़ना है?

क्या टीचर वेर्शन की रपट का आशय इस रपट में आया है?

प्रतिक्रिया।

रपट का वाक्य रचना संबन्धी(Syntactic),

रूपात्मक(Morphological),

स्वनिमिक(Phonemic)

संशोधन (Editing)करें।

सभी दलों को रपट परिमार्जित करने का मौका दें।

दलों की रपट की प्रदर्शनी तैयार करें।

शीर्षक में आवश्यक परिवर्तन करें।

इसके साथ कुछ चित्र जोड़ें।

इसमें ढाँचा बनाएँ।

लिखकर नहीं चलकर रची गई कहानी

दांडी : गांधीजी आहमदाबाद से पैदल चलकर दांडी पहुँचे। वहाँ समुद्र के पानी से नमक बनाकर अंग्रेज़ों का काला कानून तोड़ा। इसी कारण 6 मार्च 1930 को एक नई कहानी इतिहास में रची गई। समुद्र के पानी से नमक बनाने पर सज़ा मिलती और अंग्रेज़ों ने नमक पर टैक्स लगाया। इसके खिलाफ गांधीजी ने अहिंसात्मक ढंग से

एक नए आन्दोलन की शुरूआत की है। रास्ते में हज़ारों लोग आकर इससे जुड़ते गए। रास्ते के गाँव-गाँव में स्वतंत्रता सेनानियों का बड़ा स्वागत हुआ। यात्रा कल दांडी पहुँची थी। समुद्र के पानी से खुद नमक बनाकर अंग्रेज़ों से मुक्त होने का रास्ता दिखा दिया।

अनुबद्ध कार्य

स्वतंत्रता-संग्राम से संबन्धित जानकारियों को इकट्ठा करें और प्रदर्शनी चलाएँ।